सुगम और सुरक्षित यात्रा हर नागरिक का अधिकार : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने राजधानी सेवा को हरी झंडी दिखायी, हर जिले से दिल्ली के लिए चलेंगी बसें

लखनऊ

उप्र परिवहन निगम शानदार सेवा को बढ़ाते हुए लगातार सेवा कर रही है। सुगम और सुरक्षित यात्रा हर नागरिक का अधिकार है। यह सरकार का दायित्व है कि यात्री जैसे अपेक्षा करता है, उसके लिए कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। यदि एक वर्ष यूपी के ही सड़क हादसे को देखा जाय तो कोरोना जैसी महामारी तीन साल में जितने लोगों की मौत नहीं हुई, उतनी मौत एक साल में सड़क हादसे में हो गयी है।

ये बातें उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कही। उन्होंने 93 नई राजधानी सेवा एवं सात साधारण बीएस-6 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना की। इस अवसर पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भी थे। उत्तर प्रदेश बस सेवा की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी ने 75 जिलों को राजधानी दिल्ली से जोड़ा। यूपी के यात्रियों के लिए 100 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें 93 बसें राजधानी एक्सप्रेस हैं, जो

यूपी के 75 जिलों से दिल्ली के लिए चलेंगी। वहीं सात साधारण बसें हैं, जो यूपी के अंदर चलेंगी। दिल्ली से दूर के जिलों के लिए दो-दो बसें चलेंगी। डिमांड के अनुसार इन बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। राजधानी एक्सप्रेस की बसों का किराया साधारण से 10 प्रतिशत ज्यादा होगा। ये स्टॉपेज कम लेंगी।

उन्होंने कहा कि परिवहन निगम की शानदार यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं ओड़िसा में कल हुए भीषण हादसे में लोगों ने जान गवां दी है। उन सभी लोगों को संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि प्राइवेट ऑपरेटर को भी अपने साथ जोड़ें, जिससे ज्यादा से ज्यादा पब्लिक ट्रांसपोर्ट यात्रियों को मिल सके। इलेक्ट्रिक बस सेवाओं की लगातार मांग बढ़ रही है। ज्यादा से ज्यादा ये बसें चलाई जाएंगी। अत्याधुनिक बस स्टेशन बनाए जाएंगे और यात्रियों को बेहतर सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गांव-गांव को रोडवेज बसों को जोड़ने की जरूरत है। इसमें प्राइवेट आपरेटर का भी सहयोग लेना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने ओडिशा के बालासोर में हुई रेल घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, मैं अपनी तरफ से और प्रदेश वासियों की तरफ से सांत्वना व्यक्त करता हूं। जो यात्री घायल हुए हैं, उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है।ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए हम सभी को सतर्क रहने की जरूरत है।

परिवहन मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग ने 50 साल पूरे किए हैं। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले सालों में विभाग को बढ़ावा देने के लिए बहुत सारे काम किए हैं। उन्होंने आर्थिक सहायता दी, जिससे कि यूपी में 2000 बसें आईं। मुख्यमंत्री के सहयोग से पहली बार परिवहन फायदे में आया है। पहले जहां रोज 12 से 13 करोड़ की आय होती थी, अब वह आय 18 से 21 करोड़ के ऊपर तक पहुंच गई है। आम बसों की तुलना में राजधानी बस सेवा का किराया 10त्न ज्यादा होगा। समय से दिल्ली पहुंचे इसलिए इन बसों का स्टॉपेज बहुत कम होगा। यह अन्य बसों की तुलना में तेज चलेगी। ऐसे में कम समय में दिल्ली पहुंचेगी। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय से लखनऊ के लिए पहले बस सेवा शुरू की गई थी। अब दिल्ली के लिए यह सेवा शुरू की जा रही है। पहले दो जून को योगी आदित्यनाथ इन बसों को सीएम आवास से हरी झंडी दिखाने वाले थे। लेकिन, किसी कारणवश एक दिन के लिए कार्यक्रम टाल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान नए सिरे से तैयार किए गए प्रदेश की कुछ बस डिपो का भी उद्घाटन किया जाएगा। परिवहन निगम के प्रवक्ता अजीत सिंह ने बताया कि शासन के ड्रीम प्रोजेक्ट में से यह योजना एक है। लोगों को आसान और सस्ती परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पंद्रह सौ करोड़ से गंगा नदी पर बनेगा छह लेन पुल, बाईपास रोड

एनएनआई 135 से औराई के माधोसिंग तक 15 किमी बनेगी छह लेन रोड

मीरजापुर

लगभग 15 सौ करोड़ रुपये की लगात से बनने वाला गंगा नदी पर छह लेन पुल कई मायनों में अत्याधुनिक होगा। यह पुल दो टावरों पर टिका रहेगा। इस पुल से आने के लिए जीटी रोड स्थित माधोसिंह रेलवे क्रासिंग से 15 किलोमीटर की छह लेन की एक बाइपास रोड बनाई जाएगी, जो एनएच 135 रोड से जाकर मिलेगी। इसके बनने से लखनऊ-अयोध्या से विंध्य क्षेत्र का संपर्क आसान हो जाएगा।

छह लेन गंगा पर पुल व बाईपास रोड बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के लोक निर्माण विभाग प्रयागराज की ओर से प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। गगा पर पुल बनाने की मांग जल्द ही पूरी होने वाली है। जनपदीय लोगों की मांग पर शासन ने गंगा पर छह लेन का पुल बनने का निर्णय लिया है। पुल से आने जाने के लिए औराई के माधोसिंह रेलवे क्रासिंग के पास से सेमरा होकर विंध्याचल के पीछे से कालीखोह के रास्ते समोगरा टाड़ गांव के पास 15 किलोमीटर तक लंबी बाइपास रोड बनाकर एनएचआई 135 से मिला दिया जाएगा। सड़क व पुल बनाने के लिए एनएचआई प्रयागराज की ओर से मिट्टी की जांच शुरू कर दी गई है। मिट्टी की जांच पूरी होने के बाद पुल का निर्माण शुरू किया जाएगा। इससे पहले गंगा पर फोरलेन का पुल बनाया जाना था, जिसका प्रस्ताव सेतु निगम की ओर से बनाकर

शासन को भेजा गया था, लेकिन बढ़ती आबादी को देखते हुए फोरलेन की जगह अब छह लेन पुल बनाने का निर्णय लिया गया है।

बनेगा बाइपास रोड, आधा दर्जन जिलों को जोड़ेगा पुल

छह लेन पुल पर आने जाने के लिए जीडीरोड औराई के पास स्थित माधोसिंग रेलवे क्रासिंग से एनएचआई 135 छह लेन की बनाई जाएगी। जो माधोसिंह के पास से चील्ह-गोपीगंज को पार करते हुए विंध्याचल के पीछे से होते हुए कालीखोह होकर समोगरा टाड़ गांव के पास आकर एनएचआई 135 से जोड़ दी जाएगी। गंगा पर छह लेने पुल बनाने के पीछे आधा दर्जन जनपदों जोड़ने की योजना है। एनएचआई को इस पुल के माध्यम से मीरजापुर, औराई, भदोही, जौनपुर व अंबेडनकर नगर को छह लेन सड़क से जोड़ा जाएगा।

घरौनियां तैयार करने व बांटने में बुंदेलखंड के जिले सबसे आगे

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इस साल दिसंबर तक 90 हजार से अधिक ग्रामों की घरौनियां तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य के सापेक्ष 31 जुलाई तक सर्वे ऑफ इंडिया से त्रुटिरहित मानचित्र प्राप्त करने का लक्ष्य है तो 31 अगस्त तक मौके पर जाकर परीक्षण का लक्ष्य भी तय किया गया है।

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा के समक्ष इसकी कार्ययोजना एवं लक्ष्य का विस्तृत ब्यौरा रखा गया है। अभी तक योगी सरकार ने 90,894 ग्रामों का ड्रोन सर्वे पूरा कर लिया है, जबकि करीब 73 हजार ग्रामों का सर्वे ऑफ इंडिया से मानचित्र प्राप्त कर लिया गया है। करीब 57 लाख घरौनियां तैयार की जा चुकी हैं। इनमें से 24 अप्रैल 2023 तक करीब 55.15 लाख घरौनियां वितरित भी की जा चुकी हैं जो बड़ी उपलब्धि है।

समग्र कार्य में बुंदेलखंड सबसे आगे : स्वामित्व योजना के समग्र कार्य के अन्तर्गत टॉप 10 जनपदों की बात करें तो बुंदेलखंड के जिले सबसे आगे हैं। यहां ललितपुर (99.944 प्रतिशत), जालौन (99.657) और झांसी (99.056) टॉप 3 में हैं तो महोबा (98.701) के साथ पांचवें स्थान पर है। चौथे स्थान पर मुरादाबाद (99.037) है।

प्रधानमंत्री आवास योजना : कानपुर ग्रामीण में नौ वर्षों में बने 19 हजार, 345 गरीबों के घर

कानपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कानपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में बीते नौ वर्षों में 19 हजार, 345 गरीबों को छत मिला है। डीआरडीए कानपुर परियोजना निदेशक ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा संचालित इस योजना के तहत समाज के सबसे कमजोर वर्गो का चयन कर उन्हें आवास उपलब्ध कराया जाता है। केन्द्र में जब से मोदी सरकार आयी है, इस योजना में पहले से ज्यादा पारदर्शिता आयी है।

उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार बीते नौ वर्षो में कानपुर के अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र में कुल 14055 आवास गरीबों को उपलब्ध करायी है। इसी तरह कानपुर जनपद का एक विधानसभा क्षेत्र मिश्रिख लोकसभा में आता है। जहां 5290 गरीबों को आवास उपलब्ध कराया जा चुका है। इस तरह कुल 19 हजार, 345 बन चुके हैं। इनमें शहर क्षेत्र का आंकड़ा नहीं है। उल्लेखनीय है कि कानपुर में कुल दस ब्लॉक है। जिसमें भीतरगांव ब्लॉक में अब तक 2976 गरीब, बिल्हौर ब्लाक में 1349, घाटमपुर में 2540, ककवन में 913, कल्याणपुर में 1070, पतारा में 2371,सरसौल में 949, शिवराजपुर में 1662, विधनू में 1533 आवास उपलब्ध कराए जा चुके है और कुछ आवासों का निर्माण जारी है। उनका काम अभी अधूरा है, उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है। चौबेपुर ब्लॉक के महाराजपुर गांव निवासी श्यामा देवी पत्नी मान सिंह को पीएम आवास योजना का लाभ दिया गया है। उनका आवास बनकर तैयार हो गया है, लेकिन अभी उसका प्लास्टर एवं रंगाई काम पूरा होना है। इस संबंध में चौबेपुर ब्लॉक के महाराजपुर गांव की सेक्रेट्री सुधा ने बताया कि जब इस महिला को आवास मिला तो बहुत खुश हो गई। वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ इसका निर्माण तो पूरा कर लिया है, लेकिन अभी प्लास्टर का कार्य और रंगाई का कार्य होना है। वह भी पूरा हो जाएगा। प्रधानमंत्री आवास पाने वाली श्यामा देवी ने बताया कि हमें आशा नहीं थी कि हमारे पास भी कभी रहने के लिए घर बन पाएगा। हम किसी तरह मजदूरी करके कमाते खातें है। धन्य हो मोदी जी ने हमारा आवास बनाने का सपना पूरा कर दिया।

खबरम्

खास खबरें

हर दिन एक लाख से ज्यादा कमाती है ये महिला, वेतन के अलावा मिलती हैं ये सुविधाएं

ग्लोरिया सुपर रिच लोगों के बच्चों की देखरेख करती हैं यानी वह पेशे से नैनी हैं। उनको एक घंटे काम करने के 167 डॉलर मिलते हैं यानी करीब 13 ।8 हजार रुपये। पूरे दिन में वह 2000 डॉलर कमा लेती हैं। यानी 1.6 लाख रुपये।

कहते हैं कि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता। इसी कहावत को सच साबित कर दिखाया है एक 34 साल की महिला ने। दरअसल यह महिला ऐसे पेशे में है, जिसको समाज में छोटी नजरों से देखा जाता है लेकिन फिर भी उनको अपने काम से प्यार है। इस महिला की कमाई है 1 लाख रुपये महीना। हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क की ग्लोरिया रिचर्ड की। ग्लोरिया सुपर रिच लोगों के बच्चों की देखरेख करती हैं यानी वह पेशे से नैनी हैं। उनको एक घंटे काम करने के 167 डॉलर मिलते हैं यानी करीब 13 ।8 हजार रुपये। पूरे दिन में वह 2000 डॉलर कमा लेती हैं। यानी 1.6 लाख रुपये। उनको 12-15 घंटे काम करना पड़ता है। इस नौकरी में उसे अरबपति परिवारों की बेटी को संभालना पड़ता है। इसके अलावा वह कई अन्य परिवारों के साथ भी काम करती हैं।

क्या सुविधाएं मिलती हैं

सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, नैनी को शानदार सैलरी के अलावा अन्य कई सुविधाएं भी मिलती हैं। जैसे लग्जरी ट्रिप से लेकर प्राइवेट जेट में घूमने तक। इस नौकरी में हर वो बात है, वो इसको बेहद आकर्षक बनाती है। इस करियर में बारे में ग्लोरिया कहती हैं कि वह साल में सिर्फ 2 महीने नैनी का काम करती हैं और बाकी 10 महीने खाली रहती हैं। वह कहती हैं कि मुझे बच्चों के साथ रहना बहुत पसंद है। लेकिन ग्लोरिया के सामने मुश्किलें भी कम नहीं हैं। वह ऐसे बच्चों का ध्यान रखती हैं, जो न्यूरो डाइवर्जेंट से पीड़ित हैं। न्यूरो डाइवर्जेंट यानी वो बच्चे जिनके सीखने की प्रक्रिया स्लो होती है। यही कारण है कि उनका काम किसी अन्य शख्स के मुकाबले ज्यादा चुनौतीपूर्ण है।

चुनौती भरा है काम

ग्लोरिया आगे बताती हैं, मैंने इस जॉब के लिए कई इंटरव्यू दिए हैं। पैरेंट्स कहते हैं कि तुम्हें स्कूल से आने के बाद उनके बच्चों का ध्यान रखना है। कई परिवारों से तो उनकी मुलाकात भी नहीं हो पाती। वह उनसे ट्रिप पर जाने को बोल देते हैं। ग्लोरिया एक दिन में 10 घरों से बच्चों की देखभाल करती हैं।

भारतीय-अमेरिकी छात्र ने जीता स्पेलिंग बी' का खिताब, इस 11 अक्षरों वाले शब्द से किया कमाल

भारतीय-अमेरिकी देव शाह ने 'सैमोफाइल' शब्द का सही हिज्जे (स्पेलिंग) बताकर वर्ष 2023 का 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' खिताब अपने नाम कर लिया। फ्लोरिडा के लार्गो शहर के निवासी शाह (14) आठवीं कक्षा के छात्र हैं। उन्होंने 95वां 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' खिताब अपने नाम किया। उन्हें 50 हजार अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि भी दी गई।

मैरीलैंड के नेशनल हार्बर में आयोजित प्रतियोगिता जीतने के बाद शाह ने कहा, यह अद्भुत है। मेरे पैर अभी भी कांप रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने पिछले तीन महीने में कई त्याग किए और मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है। मुझे अपने सभी त्यागों का फल मिला है। 'वाशिंगटन पोस्ट' की खबर के अनुसार, शाह ने 'सैमोफाइल' का सही हिज्जे बताकर इस प्रतियोगिता में जीत दर्ज की। 'सैमोफाइल' रेतीले क्षेत्रों में पाए जाने वाले पौधे या जानवर होते हैं।

शाह तुरंत ही इस शब्द को पहचान गए थे, लेकिन फिर भी पूरी तरह से संतुष्ट होने के लिए उन्होंने इससे जुड़े कुछ सवाल पूछे। उन्होंने पूछा, ग्रीक में सैमो का मतलब रेत है और फाइल का मतलब प्यार है। बाथिपिटोमीटर, टॉल्सेस्टर, रोमैक, एगेग्रस, शिस्टोर्राचिस, पोलियोरेक्टिक्स, पेरिओसी, एक्होरेशन, कोकोमैट और अर्डोइ वे अन्य शब्द हैं, जिनके शाह ने प्रतियोगिता के दौरान सही हिज्जे बताए। 'यूएसए टुडे' के अनुसार, स्कॉट रेमर एक पूर्व स्पेलर हैं, जिन्होंने फाइनल में पहुंचे छह छात्रों को प्रशिक्षण दिया था। रेमर ने बताया कि वह शाह के साथ पिछले साल से काम कर रहे हैं।

रेमर ने कहा, देव की एक चीज जो वास्तव में मुझे प्रभावित करती है, वह है उनकी दृढ़ता और प्रतिबद्धता। वह बेहद परिपक्व व आत्म विश्वास से भरे हैं। शाह ने तीसरी बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इससे पहले, वह 2019 और 2021 में इस प्रतियोगिता में शामिल हो चुके हैं। कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण 2020 में इस प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया गया था। 14 वर्ष की आयु होने के कारण प्रतियोगिता जीतने का शाह के पास यह आखिरी मौका था। शाह की जीत के बाद उनके माता-पिता बेहद भावुक नजर आए। उनकी मां ने कहा कि वह पिछले चार साल से इसके लिए मेहनत कर रहा था।

प्रारंभिक दौर की प्रतियोगिता मंगलवार को आयोजित की गई, जबकि क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल बुधवार को हुए। वर्जीनिया के अर्लिंगटन की रहने वाली शैर्लट वॉल्श (14) इस प्रतियोगिता में उपविजेता रहीं। 'स्पेलिंग बी' में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के छात्र हिस्सा लेते हैं। यह शब्दों के सही हिज्जे बताने से जुड़ी प्रतियोगिता है। 'नेशनल स्पेलिंग बी' प्रतियोगिता की शुरुआत 1925 में की गई थी।

ऑफिस में बिना काम किये खूब पैसा कमाती हूं, आपको भी चाहिए ऐसी नौकरी

नई दिल्ली ।हाल में एक लड़की ने अपनी नौकरी को लेकर ऐसा खुलासा किया है जिससे कि लोग हैरान हैं। लड़की ने दावा किया है कि वह अपनी नौकरी में अच्छी खासी कमाई करती है और वह कुछ खास काम भी नहीं करती। अमेरिका की एक कंपनी में बतौर ऑफिस मैनेजर काम कर रहीं डैनी ने बताया कि वह अपने काम को पूरी ईमानदारी से करती है। इसके बावजूद न के बराबर काम करती है। उसने तो ये भी बताया कि किस तरह बाकी लोग भी इसी तरह की नौकरी से आराम से पैसे कमा सकते हैं।

काम करती है लेकिन पूरा दिन दफ्तर में घूमती है : अकाउंट पर एक वीडियो में डैनी ने बताया कि वह एक कंपनी में ऑफिस मैनेजर है। उसकी जिम्मेदारी बस इतनी है कि वह पूरे दफ्तर में घूमकर ये देखती रहे कि सब कुछ ठीक ठाक है कि नहीं डैनी ने बताया कि इससे अधिक वह दिन भर में बस मीटिंग्स शिड्यूल करती हैं और थोड़ा पेपर फाइलिंग करती हैं। इस सब के बाद उसके पास अच्छा खासा समय बच जाता है।

न्यूजीलैंड से आया 20 हजार किलो ऊन, लगे 1,000 कारीगर... नए संसद भवन में बिछी उस कालीन की कहानी !

नई दिल्ली

नए संसद भवन की भव्यता दुनिया देख चुकी है। फर्श पर बिछी कालीन इसमें चार चांद लगाती है। इसकी कहानी बड़ी रोचक है। इसे बनाने के लिए न्यूजीलैंड से 20 हजार किलो ऊन मंगाया गया था। यह ऊन अपनी लंबाई, चमक और मजबूती के लिए जाना जाता है।

कालीन को बनाने में तकरीबन 1,000 बुनकरों ने दिनरात कड़ी मेहनत की। भदोही की कंपनी को कालीन बनाने का प्रोजेक्ट मिला था। इसके एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुरुआत से इस कालीन के पूरे सफर के बारे में बताया है। हिंदुस्तान टाइम्स ने इस अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट पब्लिश की है। कंपनी के प्रोडक्शन हेड सुधीर राय ने बताया कि कालीनों के लिए ऊन न्यूजीलैंड के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों से आयात कयिा गया था। इस ऊन में जबर्दस्त चमक और लचीलापन होता है। यह बात इसे हाथ से बनने वाली कालीनों के लिए सबसे अच्छे फाइबर में से एक बनाता है। लगभग 20 हजार किलो ऊन का आयात किया गया था। बीकानेर की एक कताई मिल में पूरी देखरेख में यार्न तैयार हुआ था। फिर इस यार्न को गोपीगंज की फैक्ट्री में भेजा गया था।

सुधीर राय ने दावा किया कि कालीनों को रंगने के लिए खास तकनीक का इस्तेमाल किया। उन्हें विशेष तरह की बनावट दी। कालीनों की चमक बढ़ाने के लिए उनकी खास धुलाई की जाती थी। राय ने बताया कि राज्यसभा और लोकसभा के लिए अलग-अलग डिजाइनों का चयन किया गया था। निचले सदन के लिए कालीनों में मोर पंख के डिजाइन हैं। एक ओम्ब्रे को बनाने के लिए 38 रंगों का इस्तेमाल किया गया था। आगंतुकों और मीडिया दीर्घाओं के लिए कालीन अलग तरह का है। राज्यसभा के कालीनों की इंस्पिरेशन राष्ट्रीय फूल कमल से ली गई है। लोटस मोटिफ को 12 रंगों से बनाया गया था। अधिकारी ने कहा कि जिस कारखाने में कालीन बनाए गए थे, उसका ऑडिट भी पार्लियामेंट सिक्योरिटी ने किया था। इसका मकसद नैतिक कार्य प्रथाओं को सुनिश्चित करना था। यह भी तय करना था कि सभी श्रमिकों का आधार रजिस्ट्रेशन हो।

आपका राशिफल 04 जून

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो अ
मितव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक 5 7 9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक 4 6 8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न होंगे। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। आय व्यय की स्थिति सामान्य रहेगी। शुभांक 3 5 7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो या यी यू
कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर — भो जा जी खी खू खे खो गा गी
स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक 3 5 7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9